ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मीरा के पद

कक्षा - दसवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : पद (मीरा)
PPT-3

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

3.मोर मुगट पीताम्बर सौहे , गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे , मोहन मुरली वाला।
ऊँचा-ऊँचा महल बनावँ बिच-बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ ,पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण ,दीज्यो जमनाजी रे तीरां ।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर , हिवड़ो घणो अधीराँ।

शब्दार्थ

पीताम्बर - पीले वस्त्र
धेनु - गाय
बारी - बगीचा
पहर - पहन कर
तीरा - किनारा
अधीरा - व्याकुल होना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

व्याख्या -:

मीरा श्री कृष्ण के रूप का बखान करते हुए कहती हैं कि उन्होंने पीले वस्त्र धारण किए हुए हैं ,सर पर मोर के पंखों का मुकुट विराजमान है और गले में वैजयंती फूल की माला को धारण किया हुआ है।
वृंदावन में गाय चराते हुए जब वह मोहन मुरली बजाता है तो सभी का मन मोह लेता है।
मीरा कहती है कि मैं बगीचों के बीच ही ऊँचे- ऊँचे महल बनाऊँगी और लाल रंग की साड़ी पहन कर अपने प्रिय के दर्शन करूँगी अर्थात श्री कृष्ण के दर्शन के लिए साज श्रृंगार करूँगी।
मीरा कहती हैं कि हे !मेरे प्रभु गिरधर स्वामी मेरा मन आपके दर्शन के लिए इतना बेचैन है कि वह सुबह का इंतज़ार नहीं कर सकता। मीरा चाहती है कि श्री कृष्ण आधी रात को ही जमुना नदी के किनारे उसे दर्शन दे दें।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न –

१. मीरा आधी रात को कृष्ण के दर्शन कहाँ पाना चाहती है?
२. मीरा ऊँचे - ऊँचे महलों के बीच -बीच में क्या बनाना चाहती है?
३. मीरा किस रंग की साड़ी पहनकर कृष्ण के दर्शन पाना चाहती है?
४. मीरा ने कृष्ण के किस रूप की कल्पना की है?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1 -: पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?
उत्तर -: पहले पद में मीरा कहती हैं कि जिस प्रकार हे ! प्रभु आप अपने सभी भक्तों के दुखों को हरते हो ,जैसे – द्रौपदी की लाज बचाने के लिए साड़ी का कपड़ा बढ़ाते चले गए ,प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह का रूप धारण कर लिया और ऐरावत हाथी को बचाने के लिए मगरमच्छ को मार दिया उसी प्रकार मेरे भी सारे दुखों को हर लो अर्थात सभी दुखों को समाप्त कर दो।

प्रश्न 2 -: दूसरे पद में मीरा बाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है ? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर -: दूसरे पद में मीरा श्री कृष्ण की नौकर बनने की विनती इसलिए करती है क्यों कि वह श्री कृष्ण के दर्शन का एक भी मौका खोना नहीं चाहती है। वह कहती है कि मैं बगीचा लगाऊँगी ताकि रोज सुबह उठते ही मुझे श्री कृष्ण के दर्शन हो सकें।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न 3 -: मीरा ने श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ?
उत्तर -: मीरा श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहती हैं कि उन्होंने सर पर मोर पंख का मुकुट धारण किया हुआ है ,पीले वस्त्र पहने हुए हैं और गले में वैजयंती फूलों की माला को धारण किया हुआ है। मीरा कहती हैं कि जब श्री कृष्ण वृंदावन में गाय चराते हुए बांसुरी बजाते है तो सब का मन मोह लेते हैं।

प्रश्न 4 -: मीरा की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।
उत्तर -: मीरा को हिंदी और गुजराती दोनों की कवयित्री माना जाता है। इनकी कुल सात -आठ कृतियाँ ही उपलब्ध हैं। मीरा की भाषा सरल ,सहज और आम बोलचाल की भाषा है, इसमें राजस्थानी , ब्रज, गुजरती ,पंजाबी और खड़ी बोली का मिश्रण है । पदों में भक्तिरस है तथा अनुप्रास ,पुनरुक्ति ,रूपक आदि अलंकारों का भी प्रयोग किया गया है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow